

SHRI SATYANARAYANSINGH SHIVSINGHJI RATHORE

Shri Satyanarayansingh Shivsinghji Rathore is a technocrat with more than 37 years of experience in the infrastructure sector.

2. Born on March 15, 1956 to T.S. Shivsinghji, former ruler of Valasana State, Shri Rathore received his Bachelor of Engineering degree in Civil Engineering topping Gujarat University in 1978. He topped the Gujarat Public Service Commission Examinations and joined the Roads & Buildings Department, Government of Gujarat. He was Secretary, Principal Secretary and Additional Chief Secretary to the Government of Gujarat in the Roads & Buildings Department and Water Resources Department from 1997 till his superannuation in March 2014.

3. Shri Rathore is Chairman and Managing Director of the Sardar Sarovar Narmada Nigam Limited (SSNNL) – an inter-State multipurpose river valley project on the river Narmada. This project, estimating about 8 billion USD, is one of the largest human endeavours to transport 11700 million cubic metres of water every year to a distance over 750 kilometres and a maximum lift of 71m to quench the thirst of the water stressed areas of Gujarat by providing irrigation to 1.8 million hectares, drinking water to 40 million people and hydro power generation capacity of 1450 MW. He is also steering the implementation of a unique project- “Statue of Unity”, the 182 metre world's tallest statue of Sardar Vallabhbhai Patel, costing about 500 million USD and expected to be completed in October 2018.

4. Shri Rathore FIE, MASCE, FICE has pioneered the first long-distance four-laning projects in the country, namely the Ahmedabad-Mehsana and Vadodara-Halol projects. Major projects undertaken include fast tracking completion of the Sardar Sarovar Dam, Command Area Development of more than 0.8 million hectares by installation of 20500 km of Under Ground Pipelines in lieu of open canal sand benefitting more than 500,000 farmers, a record in the history of Command Area Development in the country, the World Bank assisted Gujarat State Highway Project, the World Bank and Asian Development Bank assisted Gujarat Emergency Earthquake Rehabilitation Project post the Kutch earthquake 2001, the flagship road upgradation programmes of Pragatipath, Vikaspath, Kisanpath and the Sujalam Sufalam Yojana for drought-prone districts. He initiated and undertook major reforms in the Highway Sector, appreciated by the World Bank vide its publication "Institutional Reforms in the Highway sector – Learning from Gujarat". Amongst other projects are the iconic Mahatma Mandir Convention Centre, Swarnim Sankul Gandhinagar, Gujarat High Court and the first VGF highway four laning projects.

5. Shri Rathore was Chairman of the Sub-Group on State Roads for Formulation of both the Eleventh & Twelfth Five-Year Plan and involved in the preparation of the Rural Roads Manual and other aspects of the Prime Minister's Gram Sadak Yojna. He has to his credit many papers on Roads, Green Highways, Canal Top Solar Power Plants etc.

6. Shri Rathore was President of The Institution of Engineers (India), President of Indian Road Congress (IRC) and is Vice President, World Federation of Engineering Organizations (WFEO).



श्री सत्यनारायणसिंह शिवसिंहजी राठौर

श्री सत्यनारायणसिंह शिवसिंहजी राठौर एक टेक्नोक्रैट हैं और अवसंरचना क्षेत्र में आपका 37 वर्षों का अनुभव है।

2. आपका जन्म 15 मार्च, 1956 को हुआ, आपके पिता श्री टी.एस शिवसिंह जी वलसाना राज्य के पूर्व शासक रहे हैं। आपने 1978 में गुजरात विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री ली और विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। आपने गुजरात लोक सेवा आयोग परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया तथा सड़क और भवन विभाग, गुजरात सरकार में कार्यभार ग्रहण किया। आप वर्ष 1997 से लेकर मार्च, 2014 में अधिवर्षिता की आयु तक गुजरात सरकार के सड़क और भवन विभाग में सचिव, प्रधान सचिव और अपर मुख्य सचिव रहे हैं।

3. आप नर्मदा नदी पर चल रही अंतर-राज्य बहु-उद्देश्य नदी घाटी परियोजना सरदार सरोवर नर्मदा निगम लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं। 8 बिलियन यूएस डॉलर वाली यह परियोजना 1.8 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा, 40 मिलियन लोगों को पेयजल सुविधा और 1450 मेगावाट क्षमता का जल विद्युत उत्पादन करके गुजरात के जल की कमी वाले क्षेत्रों की जल की कमी को पूरा करने के लिए प्रत्येक वर्ष 750 किलोमीटर से अधिक की दूरी तक 11700 मिलियन घन मीटर जल पहुंचाने के लिए और 71 मीटर की अधिकतम ऊंचाई वाला, सबसे बड़े मानव उद्यमों में से एक है। आप 500 मिलियन यूएस डॉलर की लागत वाली सरदार वल्लभभाई पटेल की 180 मीटर विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा वाली विशेष परियोजना "एकता की प्रतिमा" के कार्यान्वयन का भी संचालन कर रहे हैं।

4. आपने एफआईई, एमएएससीई, एफआईसीई किया है और आपने अहमदाबाद-महसाना और वदोदरा-हलोल नामक देश की प्रथम लम्बी दूरी की चार-लेन वाली परियोजनाओं की अगुआई की है। आरंभ की गई बड़ी परियोजनाओं में सरदार सरोवर बांध को शीघ्र पूरा किया जाना, 0.8 मिलियन हेक्टेयर वाले कमांड क्षेत्र का, खुली मिट्टी वाली नहर के स्थान पर 20500 किमी. भूमिगत पाईप लाइन बिछाकर 500,000 से अधिक किसानों को लाभ पहुंचा कर विकास करना, यह कार्य देश में कमांड क्षेत्र विकास के इतिहास में एक कीर्तिमान है, विश्व बैंक सहायता प्राप्त गुजरात राज्य राजमार्ग परियोजना, वर्ष 2001 में कच्छ में आए भूकम्प के बाद विश्व बैंक और एशियन विकास बैंक सहायता प्राप्त गुजरात आपातकाल भूकंप पुनर्वास परियोजना, प्रगतिपथ, विकास पथ, किसान पथ का मुख्य सड़क उन्नयन कार्यक्रम और सूखा प्रभावित जिलों के लिए सुजलाम सुफलाम योजना सम्मिलित हैं। आपने राजमार्ग सेक्टर में बड़े सुधार आरंभ किए हैं और उन्हें संभाला है जिन्हें विश्व बैंक द्वारा इसके प्रकाशन "राजमार्ग सेक्टर में संस्थागत सुधार-गुजरात से जानकारी" में सराहा गया है। अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाएं महात्मा मंदिर कन्वेशन केन्द्र, स्वर्णिम संकूल गांधीनगर, गुजरात उच्च न्यायालय और प्रथम वीजीएफ राजमार्ग चार लेन वाली परियोजनाएं हैं।

5. आप ग्यारहवीं और बारहवीं दोनों पंच-वर्षीय योजनाओं को बनाने के लिए राज्य सड़कों संबंधी उप-समूह के अध्यक्ष रहे हैं और आप प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की ग्रामीण सड़क नियमावली और अन्य पहलूओं को तैयार करने में शामिल रहे हैं। आपने सड़कों, हरित राजमार्गों, नहरोपरि सौर ऊर्जा संयंत्रों आदि पर भी लेख लिखे हैं।

6. आप अभियांत्रिकी संस्थान (भारत), भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के अध्यक्ष रहे हैं और विश्व अभियांत्रिकी संगठन (डब्ल्यूएफईओ) परिसंघ के उप-अध्यक्ष हैं।